



**University of Rajasthan  
Jaipur**

**SYLLABUS**

**Certificate Course in Jain Studies**

**Examination 2021**

*Raj / Jain*  
Dy. Registrar  
(Academic)  
University of Rajasthan  
JAIPUR  
*R*

सर्टिफिकेट कॉर्सजैन धर्म दर्शन एवं संस्कृति सर्टिफिकेट

इस परीक्षा के लिए दो प्रश्न पत्र होंगे तथा योग्यता अन्य विषयों के सर्टिफिकेट कोर्स के अनुरूप ही होगी। प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंको के होंगे।

पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्न पत्र	जैन धर्म दर्शन	100 अंक
द्वितीय प्रश्न पत्र	जैन इतिहास और साहित्य	100 अंक

प्रथम प्रश्न पत्र

(1) जैन धर्म 50 अंक

अहिंसा, कर्म सिद्धांत, श्रावकाचार, श्रमणाचार : सामान्य परिचय।

(2) जैन दर्शन 50 अंक

जैन दर्शन की पृष्ठ भूमि—द्रव्य का लक्षण एवं भेद, सूत्रत्रय, नवपदार्थ परिचय, अनेकान्तवाद, स्याद्वाद।


द्वितीय प्रश्न पत्र

जैन इतिहास 50 अंक

चौबीस तीर्थंकरों में ऋषभदेव, नेमिनाथ एवं पार्श्वनाथ का विशिष्ट परिचय, महावीर का जीवन एवं तत्कालीन परिस्थितियों, जैन धर्म के विभिन्न सम्प्रदाय, राजस्थान में जैन धर्म, राजस्थान के जैन सिद्ध क्षेत्र एवं अतिशय क्षेत्रों का परिचय।

जैन साहित्य 50 अंक

1. आगम—साहित्य परिचय —दिगम्बर एवं श्वेताम्बर आगमों का परिचय
2. प्रमुख जैन आचार्य . आचार्य कुंदकुंद, आचार्य अमृतचंद्र, आचार्य समन्त भद्र, आचार्य हरिभद्र सूरि, आचार्य हेमचंद्र सूरि।

  
 Dy. Registrar (Academic-I)  
 University of Rajasthan  
 Jaipur

**Books recommended**

प्राकृत साहित्य का इतिहास  
 जैन दर्शन  
 जैन साहित्य का वृहद् इतिहास (प्रथम)  
 आगम परिचय  
 स्याद्वाद और सप्तीभंगी  
 जैन धर्म का मौलिक इतिहास  
 आत्मानुशीलनम्  
 समणसुत्तं  
 जैनाचार्य

—डॉ. जगदीश चन्द्र जैन  
 —डॉ. महेन्द्र कुमार न्यायाचार्य  
 —पार्श्वनाथ विद्यापीठ  
 —आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर  
 —भिखारी राम यादव  
 —आचार्य श्री हस्तीमल जी म०  
 —पं. प्रभुदयाल कासलीवाल, सरस्वती ग्रंथमाला, जयपुर  
 —सर्व-सेवा-संघ-प्रकाशन, राजघाट, वाराणसी  
 —संघमित्रा

*Raj Jain*  
 Dy. Registrar (Academic-I)  
 University of Rajasthan  
 Jaipur